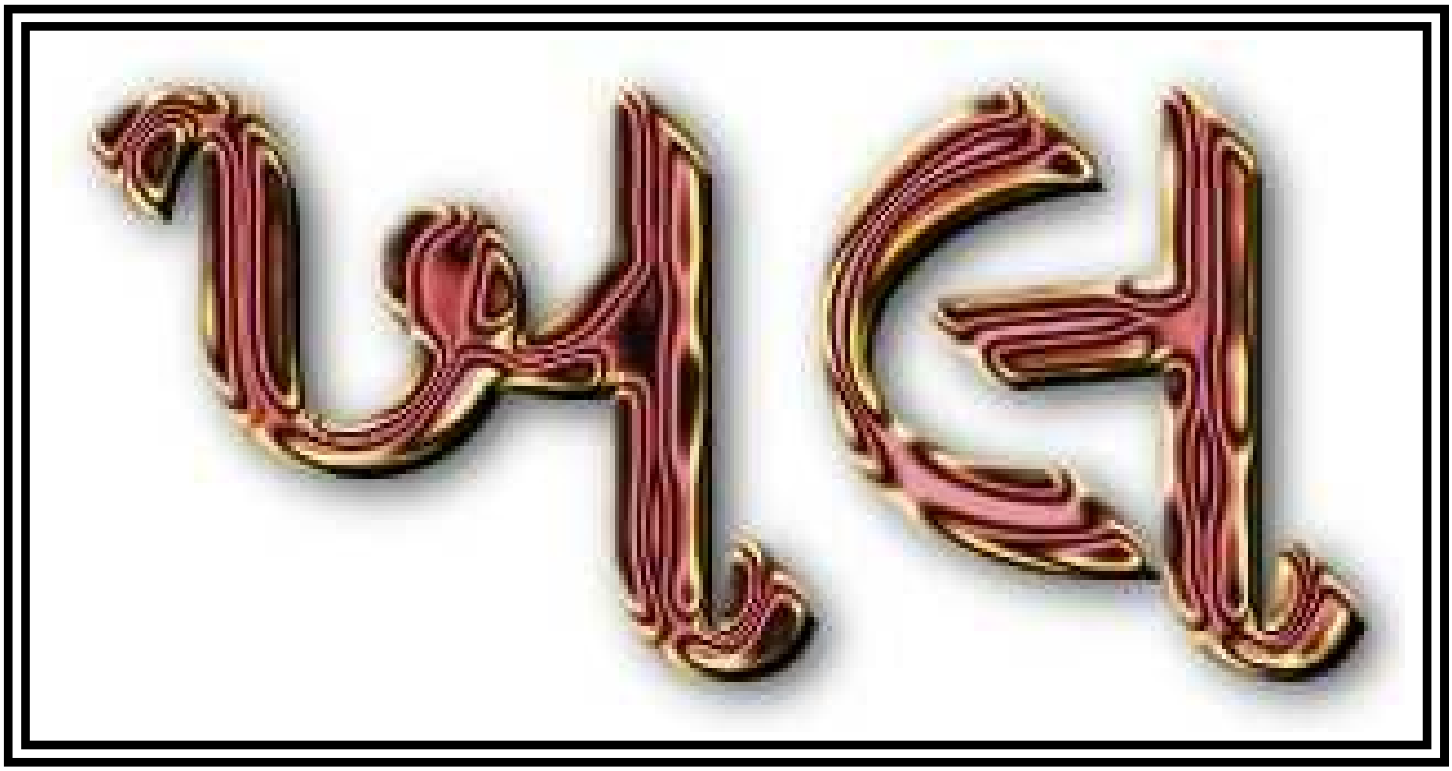

วา

วาฬนคิ

ख

मुखी

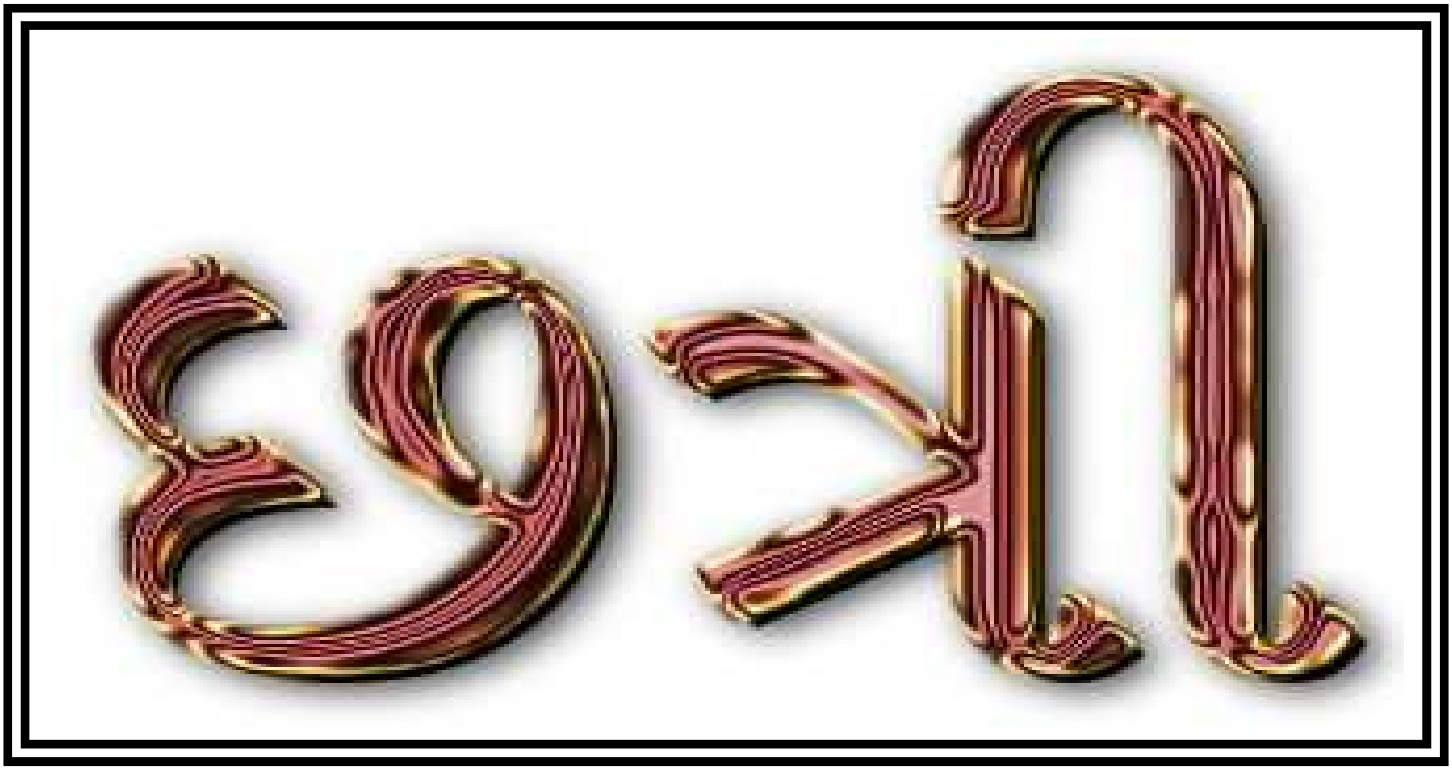

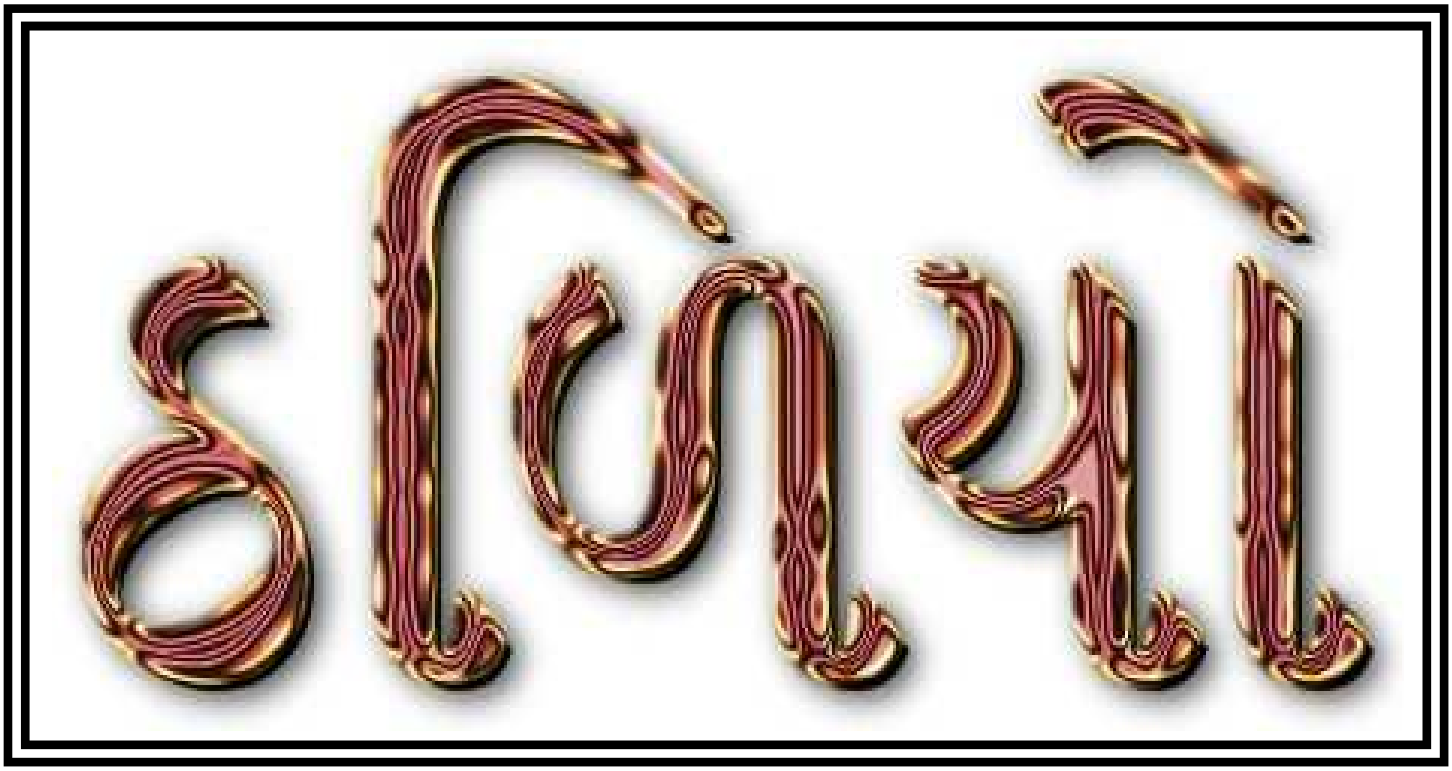

मु

रुग्ण

श्री

श्री३

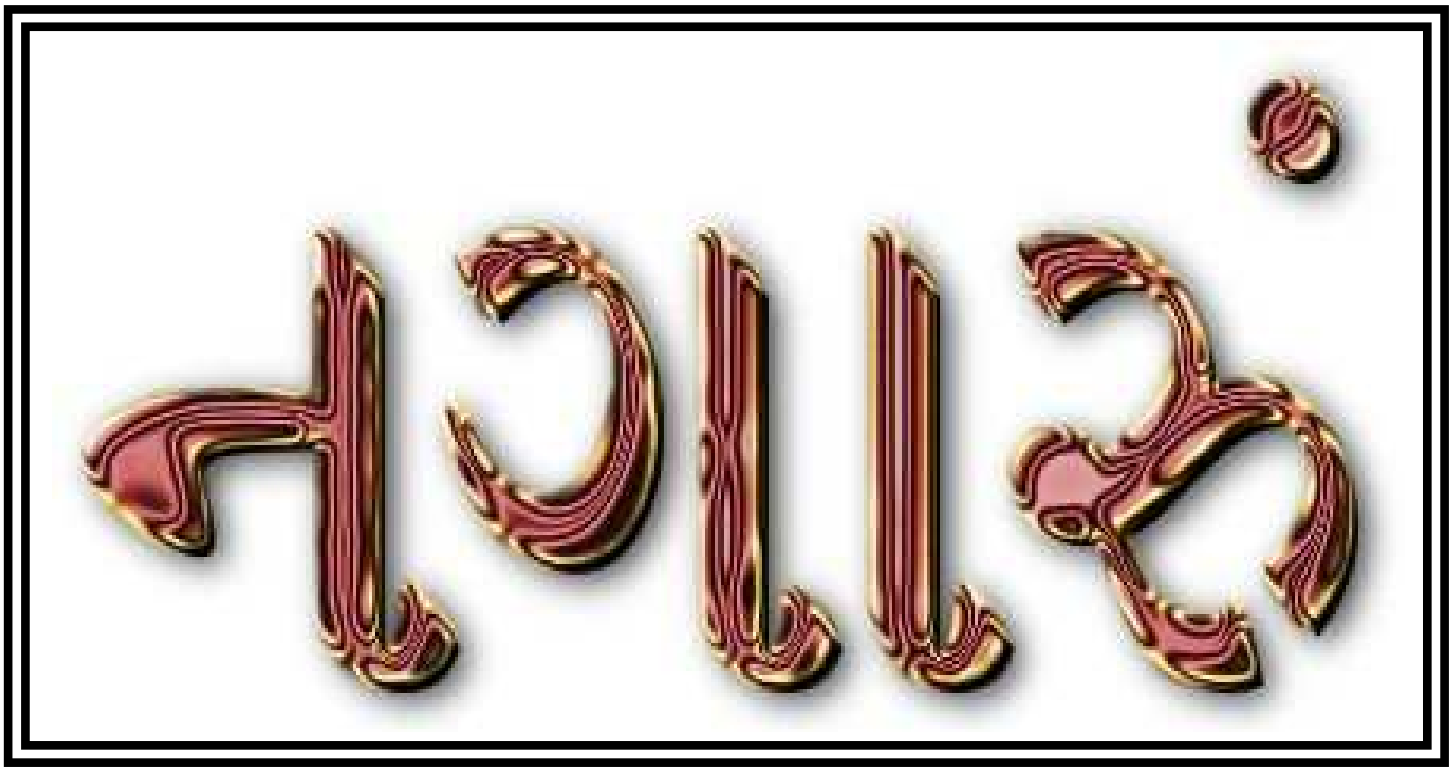

H

HAZI

H

H२३

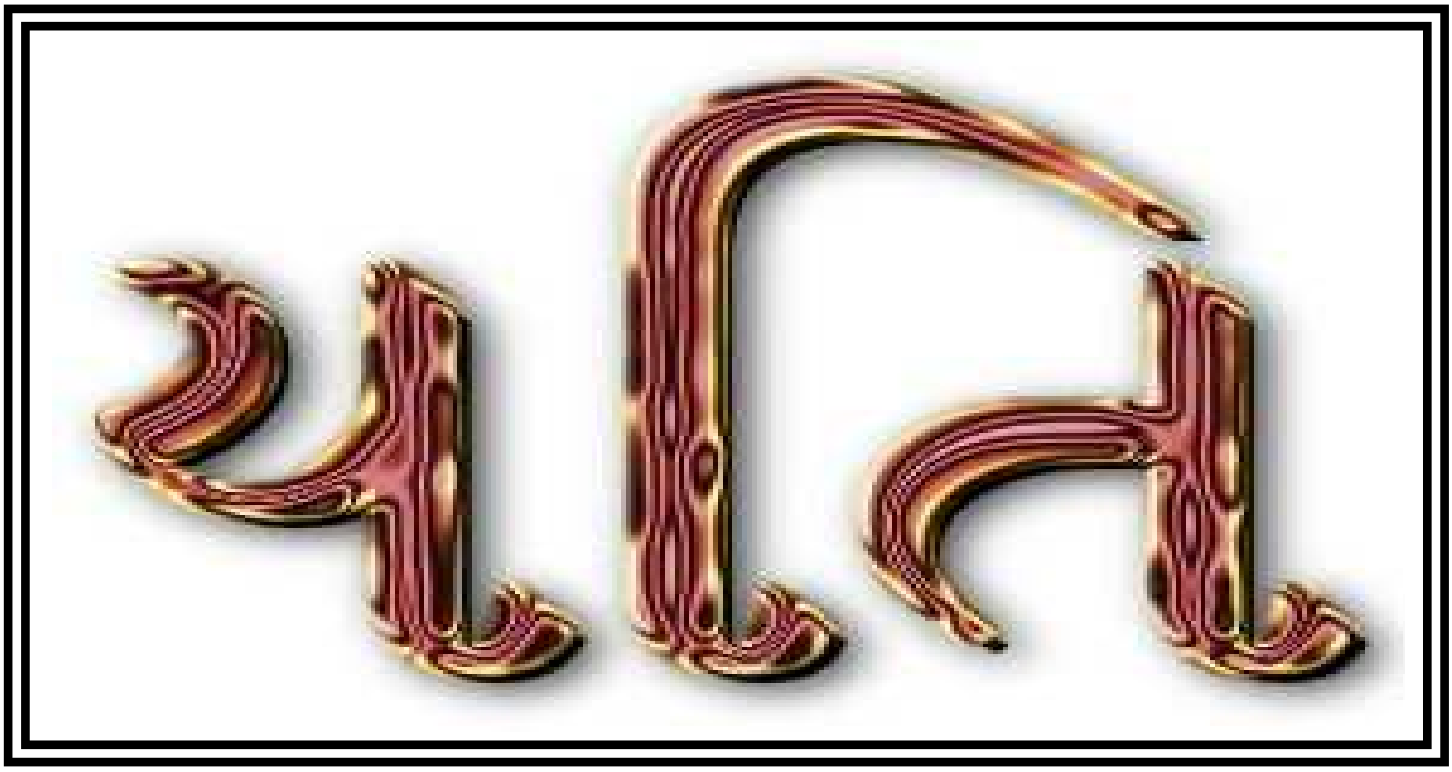

२

रहस्य

व

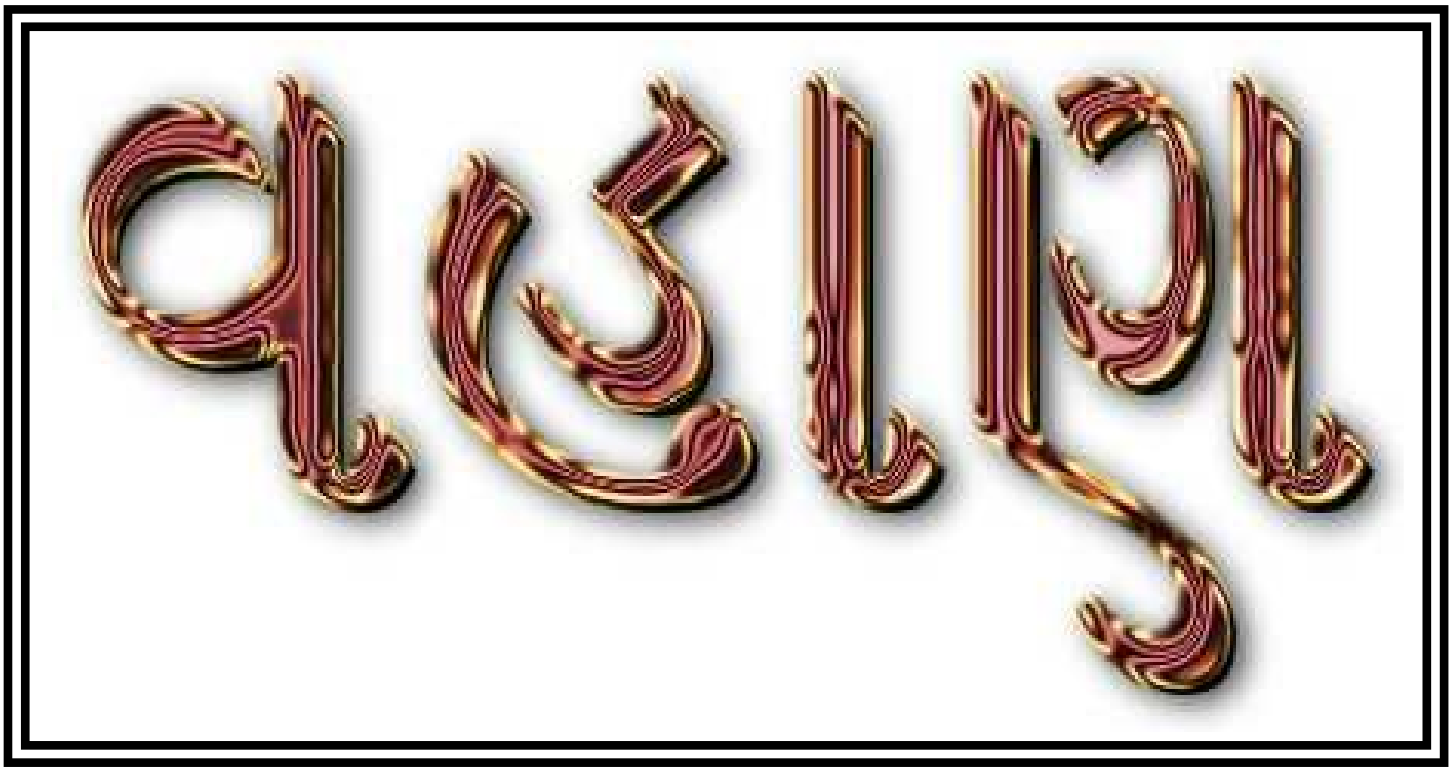
वरान

૨૧

શરણાઈ

ख

खाखु

ख

कविता

सा

सा-ही